गया के पटवा टोली के बुनकरों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री 'वीवर्स ऑफ होप' ने जीता यूनेस्को पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

7 दिसंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार गया के निकट पटवा टोली के बुनकरों के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'वीवर्स ऑफ होप' को यूनेस्को की तरफ से पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- फिल्म के निर्देशक शजिन चटर्जी ने बताया कि यह डाक्यूमेंट्री फिल्म गया के निकट पटवा टोली के बुनकरों के जीवन पर आधारित है।
- विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी मो. मुदस्सीर आलम ने बताया कि प्रतियोगिता यूनाइटेड नेशन एजुकेशनल साइंटफिकि एंड कल्चरल ऑर्गेनाईजेशन (यूनेस्को) और कामनवेल्थ मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीईएमसीए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी।
- डॉक्यूमेंट्री फिल्म को नकद पुरस्कार के साथ विशिष पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- फिल्म निर्माण में दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के मास कम्युनिकेशन और मीडिया विभाग के छात्रों ने अपना अहम योगदान दिया।
- फिल्म निर्माण में मीडिया विभाग के शिवम भदानी, शजिन चटर्जी, तूबा रहमान, प्रगति कुमारी, मेघा कुमारी, अदिति सिंघल, ऋचा कुमारी, दीक्षित सिंह और शीलू रागिनी थे।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/documentar-weavers-of-hope-based-on-the-weavers-of-gaya-s-patwa-group-wo-nunesco-award